(c) In the third meeting of the Committee of Chief Ministers the following criteria has been fixed for considering a person as an oustee from Beas Project.

For the purposes of re settlement of an 'Oustee' from Beas Project area, one must be a person residing permanently within the area acquired for the construction of the Beas Project on or earlier than 31st March, 1961, whether as a land-owner, tenant landless labourer or as an artisan

Explanation

In connection with the above persons absent from their villages for long periods on account of business profession or service would also be treated as "Permanently residing" in the villages

Any body acquiring any rights in these areas after this date through any means whatsoever other than lawful inheritance, will not be entitled to the benifits accruing to oustees from such areas

अभ्रक निगम की स्थापना

362. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या विदेश व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार एक अभ्रक निगम की स्थापना करने का है; और

(ख) इस दिशा मे अब तक कितनी प्रगति हुई और इस निगम के कब तक गठित होने की संभावना है तथा इसकी मुख्य बाते क्या हैं ?

विदेश व्यापार मंत्रालय मे उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) तथा (ख). अभ्रक की खरीद, उसे साधित करने तथा उसका निर्यात करने के लिए खनिज तथा धातु व्यापार निगम के समनुषंगी के रूप मे एक अभ्रक व्यापार निगम स्थापित करने का विचार है। समनुषंगी निगम बनाने का प्रश्न विचाराधीन है और आशा है कि इसका गठन शीघ्र ही हो जाएगा।

अभ्रक उद्योग में संकट

363 **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या विदेश व्यापार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) अभ्रक उद्योग के संकट को दूर करने के लिए सरकार ने अब तक कौन से कदम उठाए है एव जन प्रतिनिधियो से इस सम्बन्ध मे क्या कोई सलाह ली गई है, और

(ख) खनिज तथा धातु व्यापार निगम ने अभ्रक व्यापार के लिए कहा-कहा अपने कार्यालय स्थापित किये है ?

विदेश व्यापार मंत्रालय मे उपमन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) (क) खनिज तथा धातु व्यापार निगम ने अभ्रक के निर्यात व्यापार मे सामान्य स्थिति लाने के लिए अभ्रक निर्यातको द्वारा विदेशी क्रेताओ के साथ की गई संविदाओ के आधार पर, अभ्रक के निर्यात की अनुमति दे दी है।

(ख) निगम के पटन नगरो मे अपने कार्यालय है परन्तु बिहार, राजस्थान तथा आध्र प्रदेश मे अपने कार्यालय शीघ्र ही स्थापित करेगा।

विदेशों के साथ होने वाले व्यापारिक करारों का हिन्दी संस्करण

364. **श्री शंकर दयाल सिंह** क्या विदेश व्यापार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशो के साथ होने वाले व्यापारिक करारो के मसौदे किन-किन भाषाओं मे बनते है, और

(ख) क्या सरकारी घोषणा के अनुसार ऐसे करारो का हिन्दी सस्करण प्रकाशित होना भी आवश्यक है और यदि हा, तो क्या ऐसा किया जाता है ?

विदेश व्यापार मंत्रालय मे उपमन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) . (क) भारत सरकार द्वारा